THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF AGRICULTURE AND COOPERATION IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI YOGENDRA MAKWANA): (a) Sir, as per the Punjab Agro-Ttat-Pepsi-cola project document, Pepsico's main research expertise consists of over 250 Scientists with specific applied research responsibilities in Plant genetic, varietal cross-breeding and hybridisation of selected clones and tissue culture.

(b) Pepsi is reported to have done work for improving horticulture in Dallas, Texas, USA and Mexico.

(c) ICAR is already doing research work proposed in Punjab Agro Pepsi project. This will be further strengthened by suitable germ plasm to meet the specific processing requirements of the industry.

(d) Agricultural or Horticultural research facilities existing in Punjab are:

I. Punjab Agrcultural University.

II. Central Potato Research Station, Regional Centre, Jallandhar and

III. All India Coordinated Research Project Centres on:

(i) Tropical fruits at Bhatinda/ Ludhiana.

(ii) Sub-tropical fruits at Abohar.

(iii) Vegetables at Ludhiana, and

(iv) Floriculture at Ludiana

उत्तर प्रदेश में समेकित ग्रामीण विकास कार्यक्रम का कार्यान्वयन

2464. **श्री सत्य प्रकाश मालवीय** : क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि उत्तर प्रदेश सरकार ने समेकित ग्रामीण विकास कार्यक्रम केन्द्रीय सरकार द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुसार कार्यान्वित नहीं किया है, जिसके कारण निर्धन जनता को अपेक्षित लाभ नहीं मिल पाया और कि यह रहस्योद्घाटन 19 अक्तूबर, 1986 को ग्रामीण विकास विभाग में राज्य मंत्री ने वाराणसी में किया था ;

(ख) क्या यह भी सच है कि राज्य सरकार द्वारा इस कार्यक्रम के तहत सहायता के लिये चुने गए परिवारों में 12 प्रतिशत इस लाभ के योग्य नहीं थे ; और

(ग) सरकार की जानकारी में अन्य क्या-क्या अनियमितताएं आई हैं और इस सम्बन्ध में केन्द्रीय सरकार क्या कार्यवाही कर रही है ?

कृषि मंत्रालय में ग्रामीण विकास विभाग में राज्य मंत्री (श्री रामानन्द यादव) : (क) उत्तर प्रदेश सरकार अधिकाशत: भारत सरकार के मार्ग-निर्देशों के अनुसार समन्वित ग्रामीण विकास कार्यक्रम को कार्यान्वित कर रही है । हालांकि मात्रा की दृष्टि से प्रगति 1985–86 में लक्ष्यों से अधिक हुई है, राज्य ने 78.14 करोड़ रुपये (आवंटन का 114 प्रतिशत) के सरकारी खर्च से 5.808 लाख लाभार्थियों (लक्ष्य का 107 प्रतिशत) की सहायता की है, किन्तु गुणात्मक आधार पर कुछ कमियां रही हैं । कार्यान्वयन की समस्याओं और अपर्याप्त निष्पादन के बारे में केन्द्रीय ग्रामीण विकास राज्य मंत्री ने अक्तूबर, 1986 में उत्तर प्रदेश के अपने दौरे के दौरान प्रकाश डाला था ।

(ख) जून, 1986 की समवर्ती मूल्यांकन रिपोर्ट के अनुसार राज्य सरकार द्वारा लगभग 12.5 प्रतिशत अपात्र परिवारों को सहायता दी गई थी । किन्तु 9 महीनों (अक्तूबर, 85 से जून 86 तक) की समेकित रिपोर्ट के अनुसार राज्य में ऐसे परिवारों का प्रतिशत लगभग 9 था ।

(ग) अक्तूबर, 85 से जून, 86 तक की अवधि के लिए समवर्ती मूल्यांकन की 9 महीने की समेकित रिपोर्ट से उत्तर प्रदेश में निम्नलिखित मुख्य कमियों का पता चलाहै ।

(1) लगभग 10 प्रतिशत परिवार 6400 रुपये की संशोधित गरीबी की रेखा को पार कर सके ।

(2) लगभग 28 प्रतिशत मामलों में लाभार्थियों को

गई परिसम्पत्तियां अस्तित्व में नहीं थीं ।

(3) लगभग 10 प्रतिशत मामलों में दी गई सहायता परिसम्पत्तियां प्राप्त करने के लिए पर्याप्त नहीं थी ।

(4) लगभग 20 प्रतिशत नमूना लाभार्थियों को भारत सरकार की मार्गदर्शिकाओं के अनुसार ग्रामसभा में नहीं चुना गया था ।

समवर्ती मूल्यांकन द्वारा प्रकाश में लाई कमियों को उपचारात्मक कार्रवाई करने के लिए राज्य सरकार के ध्यान में लाया गया है ।

भगीरथ पत्रिकाओं का सम्पादक मंडल

2465. **श्री राम नरेश कुशवाहा** : क्या जल संसाधन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) "भगीरथ" नामक पत्रिका के संपादक मंडल के गठन तथा उसके कार्यकलाप के क्या नियम हैं ;

(ख) पुनर्गठित मंडल के सदस्यों के नाम तथा योग्यतायें क्या हैं और पूर्व मंडल के लेखकों तथा सदस्यों को निकालने के आधार क्या हैं ; और

(ग) इस संबंध में संवैधानिक प्रावधानों की उपेक्षा को दूर करके उसका उचित ढंग से गठन करने के लिये क्या कार्यवाही किये जाने का प्रस्ताव है ?

जल संसाधन मंत्री (श्री वी० शंकरानंद) (क) से (ग) संपादकों का कोई मंडल नहीं है । तथापि, भगीरथ (हिन्दी) और भगीरथ (अंग्रेजी) के लिये संपादकीय मंडल है । संपादकीय मंडलों के कार्य-कलापों को ध्यान में रखते हुये इनका गठन। पुनर्गठन किया जाता है । संपादकीय मंडलों के सदस्यों के नाम तथा उनकी योग्यतायें संलग्न विवरण में दी गई है ।

विवरण

क्रम सं०	नाम सर्वश्री	पदनाम	शैक्षिक योग्यताएं	टिप्पणियां
1	2	3	4	5
	भागीरथ (हिन्दी) :			
1.	कुरियन मैथ्यू	मुख्य इंजीनियर	बी० ई० (सिविल	अध्यक्ष
2.	*वी० पी० गोविन्दादास	निदेशक	बी० ई० सिविल)	सदस्य
3.	एस० एस० मनोचा	निदेशक	बी० एस० सी० (इंजीनियरी)	सदस्य
4.	एम० एस० बिसारिया	निदेशक	बी० एस० सी० बी० ई०	सदस्य
5.	एस० एस० पाहुजा	उप निदेशक	बी० एस० सी० सिविल इंजीनियरी)	सदस्य